झंडे दी फेरी ओनी आ

झंडा धुंआ वाना लेके असि घर घर फेरी ओनी आ ,
घर श्रदा नाल सजाओ झंडे दी फेरी ओनी आ,,

झंडे दे विच योगी दा वासा करे पूरी उम्मीद ते आसा,
पुत्रा दी एहने दात बकश के झड़ भगता दे दर लाउनि आ,
घर श्रदा नाल सजाओ झंडे दी फेरी ओनी आ,,

इस बेरी विच हल हों गे आज नहीं ता कल हों गे,
खुशिया दे हर पल होंगे,
सिद्ध जोगी ने मोहर लागौनि ा,
घर श्रदा नाल सजाओ झंडे दी फेरी ओनी आ,,

जिथे जोगी ने ला लाये डेरे धुमा पे गैया चार चुबेरे,
कष्ट न आवे उस घर नेड़े जिथे संगत बाबे दी ओनी आ,
घर श्रदा नाल सजाओ झंडे दी फेरी ओनी आ,

अमृत संग परिवार आऊं गे जोगी दा दीदार पौन गे,
भेटा गा के विक्की ने आज दर बाबे दे रौनक लाउनि आ,
घर श्रदा नाल सजाओ झंडे दी फेरी ओनी आ,

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/9211/title/ghar-shrda-nal-sajaayo-jhande-di-pheri-aauni-aa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |